# VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
M
N 02 SEP 2022 No. 3
RECEIVED

## GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1837)

| | | | |
|---|---|---|---|
| Name of Candidate | Dinesh Kumar | | |
| Medium Hindi/Eng. | Hindi | Registration Number | 58740 |
| Center | Mukherjee Nagar | Date | 02/09/22 |

### INDEX TABLE

| Q. No. | Maximum Marks | Marks Obtained |
|---|---|---|
| 1(a) | 10 | |
| 1(b) | 10 | |
| 2(a) | 10 | |
| 2(b) | 10 | |
| 3(a) | 10 | |
| 3(b) | 10 | |
| 4(a) | 10 | |
| 4(b) | 10 | |
| 5(a) | 10 | |
| 5(b) | 10 | |
| 6(a) | 10 | |
| 6(b) | 10 | |
| 6(c) | 10 | |
| 7 | 20 | |
| 8 | 20 | |
| 9 | 20 | |
| 10 | 20 | |
| 11 | 20 | |
| 12 | 20 | |

**Total Marks Obtained:**

**Remarks:**

**Signature of Examiner**

## INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWELVE** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बारह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

# EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

**Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:**

1.

2.

3.

4.

5.

6.

**All the Best**

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – A

1. **(a)** Explain why altruism constitutes one of the core values in public life. In this regard, suggest some measures to foster altruistic behaviour in public services. **(150 words) 10**

स्पष्ट कीजिए कि परोपकारिता सार्वजनिक जीवन में प्रमुख मूल्यों में से एक क्यों है। इस संबंध में लोक सेवाओं में परोपकारी व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए कुछ उपायों का सुझाव दीजिए।

परोपकारिता से तात्पर्य है कि दूसरों की भलाई करना अर्थात् पर पीड़ा को समझते हुए उसके कम करने का प्रयास। जैसे· गरीब व्यक्ति को आर्थिक सहायता।

परोपकारिता सार्वजनिक जीवन में

- सार्वजनिक जीवन में व्यक्ति 'स्व' से विस्तारित होकर 'पर' को महत्व देता है तो परोपकार) हो जाता है।
- यह एक आवश्यक मूल्य है जो लोगों को आपस में जोड़ता है, सामाजिक न्याय को बढ़ावा देता है।

महात्मा गॉंधीजी ने भी नरसी मेहता के भजन 'वैष्णव जन तो तेने कहिए जो पीड़ पराई जाणी रे' पर जोर दिया है।

• तुलसीदास जी ने भी कहा है
'परहित सरस धर्म नहीं'

परोपकारी गुण से युक्त प्रशासक सदैव संवेदनशील होता है तथा पीड़ित को तुरंत राहत प्रदान करने का कार्य करता है।

परोपकारी व्यवहार को बढ़ाने के उपाय

1. उदार चरित रखना
'उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुंबकम्'
2. दूसरों को राहत देने पर खुशी को महसूस करना।
3. महापुरुषों की जीवनियाँ पढ़ना।
4. जनता से जुड़े रहना।
5. गरीबों के बीच जाकर उनकी बातें सुनना।

इस तरह प्रत्यक्ष देखने, महसूस करने तथा तदनुरूप अपने आचरण में बदलाव लाकर परोपकारी प्रवृत्ति को बढ़ाया जा सकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. **(b)** Certain actions can be right even though they do not maximize good consequences, for the rightness of such actions consists in their representing certain norms. Discuss with examples. **(150 words) 10**

कुछ कार्य सही हो सकते हैं, भले ही वे अच्छे परिणामों को अधिकतम न करें, क्योंकि ऐसे कार्यों का औचित्य उनमें शामिल कुछ मानदंडों में निहित होते हैं। उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

नीतिशास्त्र की 'डिऑन्टॉलॉजिकल' प्रणाली परिणाम निरपेक्ष होती है अर्थात् बिना अच्छे परिणामों के भी कार्य करने की प्रेरणा देती है।

जैसे- परमाणु बम का निर्माण अच्छे परिणाम नहीं देगा परन्तु सुरक्षा के कारणों से उसे बनाए रखना जरूरी है।

→ इसी तरह शराब पर सरकारें प्रतिबन्ध लगाती है जिससे राजस्व का नुकसान होता है परन्तु स्वास्थ्य एवं नीति निदेशक तत्वों को ध्यान में रखकर ऐसा किया जाता है।

इससे स्पष्ट है कि कुछ कार्य कर्तव्यबोध से किए जाते है चाहे परिणाम उनका कुछ भी हो। इसी

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

संदर्भ में गीता में भी कहा गया है
'कर्मण्यवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन'
(कर्म कर, फल की इच्छा मत कर)
अर्थात उचित परिणाम की सोचे
बिना अपने कर्तव्यों एवं श्रेष्ठ कार्यों
को पूरा करे।

अतः गीता, कांट, गांधीजी आदि
ने मानदण्डों के आधार पर कार्य को
महत्व दिया, न कि परिणाम या
सुखवादी संकल्पना के आधार पर।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(a)** With the help of appropriate examples, discuss the ethical challenges involved in policing in India. Also, highlight the reasons behind corruption in the police force. **(150 words) 10**

उपयुक्त उदाहरणों की सहायता से भारत में पुलिसिंग (पुलिस व्यवस्था) में शामिल नैतिक चुनौतियों पर चर्चा कीजिए। साथ ही, पुलिस बल में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारणों पर प्रकाश डालिए।

भारत में औपनिवेशिक मानसिकता से युक्त पुलिस प्रणाली है। इस कारण जनता व पुलिस के बीच एक बड़ा अंतराल बना हुआ है।

**पुलिस व्यवस्था में नैतिक चुनौतियां**

- संवेदनशीलता की कमी।
- अमीर-गरीब के साथ अलग-अलग व्यवहार
- जनता से मित्रता का भाव नहीं
- भ्रष्टाचार से युक्त पुलिस
- पीड़ित व्यक्ति स्वयं थाने जाने से डरता है
- पुलिस ईमानदारी व सत्यनिष्ठता की कमी से जूझ रही है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

· अपराधियों से सांठगांठ।

**पुलिस में भ्रष्टाचार के कारण**

1. नैतिक मूल्यों का पतन हो चुका है
2. कानून पुलिस वालों पर कम नजर रखता है जैसे- ACB, CBI
3. सत्ता का संरक्षण _ राजनीतिक लाभ के लिए सत्ताधारी पुलिस का प्रयोग करते हैं।
4. ब्रिटिश मानसिकता जनता से दूरी बनाती है

इस संदर्भ में 'कम्युनिटी पुलिसिंग', थानों में 'स्वागत केन्द्र', CCTV लगाना, 24 घंटे में FIR अनिवार्य करना आदि प्रयासों से भ्रष्टाचार कम हुआ है व संवेदनशीलता भी बढ़ी है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(b)** A right combination of spirit and structure is integral to ethical corporate governance. Discuss. **(150 words) 10**

भावना और संरचना का सही संयोजन नैतिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस का अभिन्न अंग होता है। चर्चा कीजिए।

कॉर्पोरेट गवर्नेंस में विधि के नियमानुसार कार्य का संचालन, सभी हितधारकों के हितों का संरक्षण तथा समाज व पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का निर्वहन शामिल होता है।

भावना व संरचना से कॉर्पोरेट गवर्नेंस

- कॉर्पोरेट में ईमानदारी, सत्यनिष्ठता, पारदर्शिता आदि मूल्यों के प्रति सही भावना है तथा उसी अनुरूप संरचना है तो बेहतर परिणाम आते है।

- इसमें गलत कार्यों से बचाव (जैसे सत्यम घोटाला, PMC बैंक घोटाला) हेतु आवश्यक है कि शेयरधारकों को सभी बातों की जानकारी हो। अत: पारदर्शी तंत्र आवश्यक है।

- सभी निर्णयों की जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हो।
- समाज व पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारियां भी पूरी हो।
- SEBI, कॉर्पोरेट मंत्रालय के दिशा-निर्देशों का सही पालन हो।
- कुमार मंगलम समिति की सिफारिशों पर पर अमल किया जाए।

इस प्रकार भावना व संरचना के साथ ही 'नैतिक शासन' पर जोर दिया जाए ताकि सभी हितों का संरक्षण हो सके।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. **(a)** It is not only public servants, but also the common citizens who play a key role in institutionalising high standards of ethical conduct and good governance. Elaborate. **(150 words) 10**

न केवल लोक सेवक, बल्कि आम नागरिक भी नैतिक आचरण और सुशासन के उच्च मानकों को संस्थागत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सविस्तार वर्णन कीजिए।

नैतिक आचरण प्रत्येक मानव के लिए अनुकरणीय होता है चाहे वह कोई भी जिम्मेदारी का निर्वाह कर रहा हो।

आम नागरिक द्वारा नैतिक आचरण व सुशासन को संस्थागत बनाना

(1) जागरूक होकर – जागरूक व्यक्ति गलत कार्यों के लिए आवाज उठाता है। इससे संस्थागत भ्रष्टाचार कम होता है

(2) स्वयं नैतिकता का पालन कर
- किसी भी स्थिति में रिश्वत नही देना
- अपना काम नियमानुसार ही करवाना
- लोक-लालच से दूर रहना

(3) सक्रिय होकर – RTI के माध्यम

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

से पारदर्शिता ला सकता है

(4) राजनीतिक दबाव बनाकर
विभिन्न NGOs चुनावों में सुशासन को मुद्दा बनाते है।

(5) समाज मे नैतिकता लाकर
- सभी आपस में सद्भाव, सहिष्णुता से रहे।

(6) तकनीकी प्रयोग से - गलत कार्यों को सामने लाकर (विडियो से), सोशल मीडिया पर आवाज उठाकर।

इस प्रकार नागरिक विभिन्न माध्यमों से सुशासन व नैतिक आचरण को बढ़ावा देकर। नैतिक शासन की स्थापना मे महत्त्वपूर्ण योगदान दे सकते है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (b) Public administration in India suffers from the 'working-in-silos' culture. In this context, discuss the importance of cooperation, coordination and collaboration for efficient governance. **(150 words) 10**

भारत में लोक प्रशासन 'एकाकी कार्य' संस्कृति ('वर्किंग-इन-साइलो' कल्चर) से ग्रस्त है। इस संदर्भ में, कुशल गवर्नेंस के लिए सहयोग, समन्वय और सहभगिता के महत्व पर चर्चा कीजिए।

भारत में लोक- प्रशासन मे 'पद- सोपान' व्यवस्था प्रभावी है जहाँ उच्चाधिकारी का निर्णय महत्वपूर्ण होता है।

'Working - in - silos' से ग्रस्त होना

- उच्चाधिकारी स्वयं को 'सर्वज्ञ' समझ कर निर्णय लेते है।
- अहं (Ego) प्रवृत्ति ज्यादा होती है
- 'टीम भावना' की कमी है
- 'विवेकाधीन शक्तियों' का होना

प्रभाव - अच्छे निर्णय नहीं हो पाते है
→ धरातल की जानकारी उच्चाधिकारी को प्राप्त नहीं हो पाती है
इस कारण नकारात्मक परिणाम सामने आते है

सहयोग, समन्वय व सहभागिता का महत्व

① सभी पक्षों की जानकारी निर्णय से पहले हो जाती है।
② सामूहिक निर्णय की स्वीकार्यता ज्यादा होगी।
③ कार्यान्वयन बेहतर होता है
④ 'वर्क - कल्चर' बहुत अच्छा होता है
⑤ 'टीम - भावना' मजबूत होती है
⑥ कोई विरोध नहीं होता है।

वर्तमान में सुशासन की दिशा में इन सब का होना जरूरी है ताकि सभी निर्णय पारदर्शिता, तटस्थता से हो और जनता को उचित लाभ मिले।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(a)** While emotional intelligence is an essential tool for a public servant, it can also be misused to manipulate people to act against their own interests. Discuss with examples. **(150 words) 10**

हालांकि, भावनात्मक बुद्धिमत्ता लोक सेवक के लिए एक आवश्यक साधन होता है, लेकिन लोगों को अपने हितों के विरुद्ध कार्य करने के लिए प्रेरित करने हेतु इसका दुरुपयोग भी किया जा सकता है। उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता से तात्पर्य अपने तथा दूसरों के संवेगों को जानना, समझना, परिवीक्षित करना तथा उनका प्रबंधन व नियंत्रण करते हुए अपने व्यवहार को करना। ये संवेग क्रोध, खुशी, जोश आदि हैं

डेनियल गोलमैन के अनुसार लोक सेवक के लिए एक आवश्यक साधन है ताकि सही निर्णय लिया सके।

दुरुपयोग करना

- लोकसेवक यदि इसका उपयोग लोगों के हितों के विरुद्ध करता है तो यह नकारात्मक उपयोग है

जैसे कर्जन ने भारत में बंग-विभाजन

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

करके मुस्लिमों के हितों के अनुकूल बताकर राष्ट्रीय एकता को तोड़ा।

- जैसे किसी कंपनी के प्रोजेक्ट के विरुद्ध प्रदर्शन कर रहे लोगों को भड़काकर वह प्रोजेक्ट नहीं लगने दे (ताकि कंपनी उसे रिश्वत दे)

वस्तुतः भावनात्मक बुद्धिमत्ता (EQ) में लोक सेवक जनता के संवेगों को ठीक से जान लेता है तो उसके लिए उनके संवेगों के अनुसार प्रबंधन व नियंत्रण आसान होता है। अतः उसे नकारात्मकता से बचते हुए सकारात्मक उपयोग ही करना चाहिए

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(b)** Social influence is an ambivalent concept. It can be a source for good, bad and even for evil. Discuss with the help of relevant examples.

**(150 words) 10**

सामाजिक प्रभाव एक विरोधाभाषी अवधारणा है। यह अच्छे, बुरे और यहां तक कि अशुभ के लिए भी एक स्रोत हो सकता है। प्रासंगिक उदाहरणों की सहायता से विवेचना कीजिए।

समाज में किसी व्यक्ति को रोल-मॉडल के रूप में देखा जाना ताकि अन्य लोग उसका अनुसरण करे। यही 'सामाजिक प्रभाव' है।

अच्छे के लिए स्रोत

- नीरज चोपड़ा से प्रभावित होकर खेल के प्रति अनुशासन व समर्पण रखना।

बुरे के लिए स्रोत

- गेंगस्टर से प्रभावित होकर वैसा बनने की सोचना।
- अभिनेता द्वारा पान-मसाले का विज्ञापन करने से लोगो द्वारा उसका अनुसरण करना (जैसे - अजय देवगन)

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

बुराई

- ~~बुरा~~ बुरहान वानी' से प्रभावित होकर जम्मू-कश्मीर मे कई युवाओं ने आतंकवाद का रास्ता अपनाया।

वस्तुतः जब 'रोल-मॉडल' अपनी कथनी-करनी में अंतर रखते है तो वे अपनी 'शुचिता' (Probity) खो देते है। इससे वे लोगो के चलते नकारात्मक प्रभाव भी डालते है।

साल ही युवाओं को कई बार अच्छा-बुरा की समझ नहीं होती है, इस कारण वे बाहरी दुनिया से प्रभावित होकर गलत सामाजिक प्रभाव को अपना लेते हैं।

अतः यह दोधारी तलवार है। बेहतर है कि सकारात्मक प्रभाव बना रहे ताकि अन्य लोग भी प्रेरणा ले लेवे।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(a)** Effective public service delivery demands a people-centric approach, which is built upon coordination and leverages technology. Discuss.

**(150 words) 10**

प्रभावी सार्वजनिक सेवा वितरण एक जन-केंद्रित दृष्टिकोण की मांग करता है, जो समन्वय पर आधारित होता है और प्रौद्योगिकी का लाभ उठाता है। चर्चा कीजिए।

सार्वजनिक सेवा का तात्पर्य जनता के लिए कार्य करना। लोकतंत्र मे यह एक महत्वपूर्ण तत्व होता है ताकि नागरिक स्वयं को सशक्त महसूस करे।

**जन-केन्द्रित दृष्टिकोण**

- जनता 'सर्वोपरी' है। इसी अवधारणा पर सार्वजनिक सेवा होनी चाहिए।

**समन्वय आधारित**

- विभिन्न विभागों व संस्थाओं का आपसी समन्वय हो ताकि जनता को तुरंत राहत मिले।
- इससे 'प्रयासों का दोहराव' भी नहीं होता है।
- प्रशासन व जनता का आपसी समन्वय व संपर्क भी जरूरी है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जैसे: विद्युत विभाग व जल विभाग समन्वय से काम करेंगे तो 'सिंचाई हेतु जल' की प्राप्ति हो सकेगी।
e.g. PM-गति शक्ति योजना समन्वय के लिए।

**प्रौद्योगिकी की लाने**

- ICT आधारित तकनीकी दक्षता, पारदर्शिता लाती है।

→ 'सुशासन' को बनाती है।

जैसे - 'कॉमन सर्विस सेंटर' से अधिकांश कार्य ऑनलाइन होते हैं।
- पानी के बिल, बिजली के बिल जमा।

- 'उमंग' एप्प, डिजिलॉकर, ई-संजीवनी (टेलीमेडिसिन) आदि तकनीक ने प्रभावी सेवा वितरण को संभव बनाया है।

अतः समन्वय व तकनीकी दोनों ही सुशासन प्राप्ति के लिए महत्वपूर्ण उपागम है। इन्हे बढ़ावा देना चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(b)** Highlight the important teachings of Kautilya that are relevant to public services in 21st century India. **(150 words) 10**

कौटिल्य की उन महत्वपूर्ण शिक्षाओं पर प्रकाश डालिए, जो 21वीं सदी के भारत में लोक सेवाओं के लिए प्रासंगिक हैं।

कौटिल्य ने 'अर्थशास्त्र' के माध्यम से जीवन के हर क्षेत्र हेतु अपनी शिक्षाएं दी है

(1) जन-कल्याण

"प्रजा हि सुखे सुखं राज्ञः प्रजा च हिते हितं"
अर्थात प्रजा के सुख मे ही राजा का सुख है तथा प्रजाहित मे ही उसका हित है
अतः जन-कल्याण सर्वोपरि है

(2) चतस्र विद्या - कौटिल्य ने 'आन्वीक्षिकी, त्रयी, वार्ता, दण्डनीति इन चार विद्याओं पर प्रकाश डाला है जो सिविल सेवकों के लिए अनुकरणीय है

(3) षाड्गुण्य नीति
यान, आसन, संधि, विग्रह आदि विदेशी संबंधो हेतु महत्वपूर्ण है

(4) मण्डल सिद्धांत - यह पड़ोसी राष्ट्रों के साथ संबंध हेतु महत्वपूर्ण है

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(5) सप्तांग सिद्धांत

इसके अंतर्गत राजा (सेवक), आमात्य, जनपद, कोष आदि पर ध्यान देते हुए प्रशासन को चलाना।

(6) गुप्तचर व्यवस्था

सुरक्षा दृष्टि से स्थाई तथा भ्रमणशील गुप्तचरों का वर्णन है। जैसे- तापस, व्यापारिक, वैदेहिक, गृहपतिक आदि।

ये सभी शिक्षाएं जन-कल्याण, विदेशी संबंध, सुरक्षा, सुशासन आदि में महत्वपूर्ण है तथा भारत में वर्तमान स्थिति में पूर्णतः प्रासंगिक है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. What do each of the following quotations mean to you?

निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके लिए क्या अर्थ है?

**(a)** "What counts in life is not the mere fact that we have lived. It is what difference we have made to the lives of others that will determine the significance of the life we lead." Nelson Mandela **(150 words) 10**

"जीवन में जो मायने रखता है वह केवल यह तथ्य नहीं है कि हमने अपना जीवन जिया है। दूसरों के जीवन में हमने जो बदलाव लाया है, वह हमारे जीवन के महत्व को निर्धारित करेगा।" - नेल्सन मंडेला

नेल्सन मंडेला स्वयं नस्लीय भेदभाव के खिलाफ लड़ते हुए 27 सालों तक जेल मे रहे है। उनका संघर्ष कई आंदोलनकर्त्ताओं के लिए अनुकरणीय है।

वस्तुतः महान व्यक्ति वही होता है जो स्वयं जीवन दूसरों के कल्याण में लगा देता है।

जैसे - मदर टेरेसा हो या बाबा आमटे (महाराष्ट्र) या फ्लोरेंस नाइटिंगेल इन लोगो ने दूसरों की सेवा - शुश्रुषा हेतु अपना जीवन लगा दिया। इसी कारण वे आज अनुकरणीय है।

ये लोग 'स्व' से इतर

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

'पर' को महत्व देते है। इनमे 'मैं' नहीं' 'हम' की भावना होती है।

इसी तरह महात्मा गाँधी का आजादी का संघर्ष हो, डॉ. अम्बेडकर का सामाजिक न्याय के लिए संघर्ष हो। इन सब ने पर-पीड़ा को समझकर महानता का रास्ता अपनाया है।

मार्टिन लूथर किंग ने 'दास-प्रथा' का उन्मूलन कर अमेरिका में उन्हें मानव-तुल्य बनाया।

अतः सिविल सेवक को भी दूसरों के जीवन में बदलाव लाने हेतु प्रयास करना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. **(b)** "I care only for the Spirit - when that is right, everything will be righted by itself". Swami Vivekananda. **(150 words) 10**

"मुझे केवल मूल की परवाह है- जब वह सही होगा, तो सब कुछ स्वयं ही सही हो जाएगा।" - स्वामी विवेकानंद

स्वामी विवेकानंद के इस कथन का तात्पर्य है कि किसी चीज के आधार को सही किया जाए तो बाकी चीजे स्वतः ठीक हो जाती है।

जैसे- किसी व्यक्ति में बचपन से नैतिक मूल्यों यथा- ईमानदारी, सत्यनिष्ठता, कर्त्तव्यपालन आदि का समावेश कर दिया जाए तो वह स्वतः ही 'भ्रष्टाचार- रहित' नागरिक बनेगा। फिर किसी कारन के बिना भी वह 'नैतिक' रहेगा।

अतः किसी चीज के स्रोत को ठीक करना जरूरी है।

गाँधीजी ने भी स्वयं कहा था कि 'पाप से घृणा करो, पापी से नही'

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

अर्थात, 'पाप के प्रति घृणा सबके मन में उत्पन्न हो जाएगी तो कोई भी व्यक्ति पापी बनेगा ही नहीं'।

अत: मूल को ठीक करना जरूरी है ताकि समस्या का स्थाई समाधान हो सके।

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. **(c)** "True peace is not merely the absence of tension; it is the presence of justice." Martin Luther King Jr **(150 words) 10**

"वास्तविक शांति केवल तनाव की अनुपस्थिति नहीं है; बल्कि यह न्याय की उपस्थिति भी है।" - मार्टिन लूथर किंग जूनियर

उपरोक्त कथन शांति की स्थायित्व की बात करता है अर्थात तनाव की अनुपस्थिति केवल यथास्थिति बनाए रखती है। ज्यों ही तनाव उत्पन्न हुआ पुनः अशांति स्थापित होगी।

बेहतर यही है कि ऐसा किया जाए कि 'तनाव' उत्पन्न ही नहीं हो। इसके लिए 'न्याय की उपस्थिति' आवश्यक है।

'न्याय' की उपस्थिति से तात्पर्य किसी के अधिकारों का उल्लंघन नहीं हो, विधि का शासन हो, कोई भुलावा या भाई-भतीजावाद न हो।

इस स्थिति में सभी लोगों

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

को एक समान विकास के अवसर मिलेंगे कमजोर को संरक्षण मिलेगा। नतीजन कोई भी ऐसी स्थिति नहीं होगी जहाँ आपसी मनमुटाव, विरोधाभास हो। इससे शांति स्थायित्व प्राप्त करेगी.

आज विश्व के जिन देशों में वास्तविक रूप से 'न्याय की उपस्थिति' है वही देश आज 'वास्तविक शांति' का अनुभव कर रहे है।

अमेरिका स्वयं गृहयुद्ध के पश्चात, दास-प्रथा को समाप्त करके 'न्याय की उपस्थिति' बराबर वास्तविक शांति मे भी रहा है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

## SECTION – B

**In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):**

**निम्नलिखित प्रश्नों में, प्रस्तुत प्रकरण का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उसके बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दीजिए (लगभग 250 शब्द):**

**7.** You have recently graduated from college and are now preparing for the civil services examination. While reading the newspaper, you come across a news report of a Non-Governmental Organisation (NGO), working for child rights, challenging a provision of the Juvenile Justice Act, 2015, in the Supreme Court of India. The said provision provides for the option of Children in Conflict with Law (CCL) to be tried as adults under certain circumstances. The NGO's plea is that children are not able to understand the gravity of crimes. It has also contended that the criminal acts committed by children are a reflection of failure of the society to take care of its children. In the context of this situation, as a young aspirant, answer the following questions:

**(a)** What are the possible factors that can drive a child towards committing heinous crimes?

**(b)** Is it ethical to punish children as adults rather than giving them a chance for reformation? **(20)**

आपने हाल ही में कॉलेज से स्नातक किया है और अब आप सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। समाचार पत्र पढ़ते समय, आप बाल अधिकारों के लिए काम कर रहे एक गैर-सरकारी संगठन (NGO) की एक खबर के बारे में पढ़ते हैं, जिसमें भारत के उच्चतम न्यायालय में किशोर न्याय अधिनियम, 2015 के एक उपबंध को चुनौती दी गई है। उक्त उपबंध कुछ परिस्थितियों में कानून का उल्लंघन करनें वाले बच्चों (CCL) पर वयस्क के रूप में मुकदमा चलाने के विकल्प का प्रावधान करता है। उस NGO की दलील है कि बच्चे अपराधों की गंभीरता को समझने में सक्षम नहीं होते हैं। NGO ने यह भी तर्क दिया है कि बच्चों द्वारा किए गए आपराधिक कृत्य अपने बच्चों की देखभाल करने में समाज की विफलता का प्रतिबिंब हैं। उपर्युक्त परिस्थिति के संदर्भ में तथा एक युवा अभ्यर्थी के रूप में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

**(a)** वे कौन-से संभावित कारक हैं जो एक बच्चे को जघन्य अपराध करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं?

**(b)** क्या बच्चों को सुधार का एक मौका देने के बजाय उन्हें वयस्कों के रूप में दंडित करना नैतिक है?

हाल ही मे कुछ ऐसे मामले आए है
जहाँ 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

द्वारा भी जघन्य अपराधों को किया गया है। जैसे - निर्भया मामला (2012)

(c) संभावित कारक जो जघन्य अपराध हेतु प्रेरित करते हैं :

(1) नशा प्रवृत्ति → गरीबी के कारण कई बार बच्चे नशा करते है तथा जघन्य अपराध करते है।

(2) बेरोजगारी - कम उम्र में ज्यादा पाने की चाहत अपराध की तरफ धकेलती है।

(3) बुरी संगत - आपराधिक प्रवृति वाले लोगों की संगत में रहने पर बुरी मानसिकता का विकास होता है।

(4) अवसाद - अवसादग्रस्त बच्चे तनाव में गलत कृत्य कर जाते है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(5) तकनीकी प्रभाव

- इंटरनेट पर विभिन्न गलत चीजे को देखकर अपराध के नए रास्ते जान पाते हैं।

(6) परवरिश में कमी

- माता-पिता द्वारा ध्यान नहीं देने पर बच्चे आवारा हो जाते हैं।

(7) नैतिक मूल्यों का पतन

- समाज में गिरते नैतिक मूल्य अपराध बनाते है।

(8) उपभोक्तावादी संस्कृति

'अर्थ' पुरुषार्थ की प्रधानता व 'काम' पुरुषार्थ पर जोर अपराध को बढ़ावा देता है।

(9) कानून का कमजोर क्रियान्वयन

- कानून द्वारा अपराधियों को पकड़ पर सजा नहीं दिला पाना भी उन्हें गलत के लिए प्रेरित करता है

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b)
यद्यपि किशोर न्याय अधिनियम-2015 में संशोधन करके वर्तमान में 16 से 18 वर्ष के बालकों पर जघन्य अपराधों के मामले में 'वयस्क' की तरह मुकदमा चलाया जा सकता है।

इसके दो पक्ष है

सुधार का मौका देना

→ बच्चों को सुधार का अवसर देना चाहिए क्योंकि उनका मानसिक विकास इस उम्र तक पूरा नहीं हो पाता है।

→ न्याय का मतलब 'सुधार' होता है, न कि दण्ड देना। उन्हें व्यस्क मानने पर दण्ड ज्यादा हो सकता है जो जीवन के महत्वपूर्ण वर्षों को नष्ट करता है।

→ जस्टिस जे. एस. वर्मा समिति ने

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भी Rarest of Rare मामलो मे ही ऐसा करने को कहा था।

उपरोक्त के रूप मे दण्डित करना नैतिक है

⇒ ऐसा करके न्याय की अवधारणा को मजबूत कर रहे हैं।

⇒ वर्तमान में जैविक विकास के क्रम में 16 वर्ष का बच्चा सब चीजों को जान-पाता है

⇒ बच्चे भी 'गलत काम' होने से बचेंगे।

निष्कर्षतः यही सत्य होगा कि डाक्टर, मनोचिकित्सक तथा साइकोलोजिस्ट एक्सपर्ट द्वारा विशेष मामलों मे ऐसा किया जाए अन्यथा उसे 'अल्पवय' ही माना जाए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. You are a CEO-founder of an edTech company. You are under tremendous pressure from the investors in your company to increase the profitability of the company and undertake downsizing. After making a few bad acquisitions, the company's finances have taken a huge hit in the last couple of years. The downsizing is suggested with the hope that the company's profitability would rise, as it often does when mass

layoff or downsizing decisions are carried out. Moreover, the investors have hinted that such measures would attract further investment from them, which has come as a ray of hope considering the ongoing volatile market conditions and slowdown in big-ticket fundings. Given the situation, rumors of unscrupulous firing have started doing the rounds among employees. It has increased apprehensiveness and reduced cohesiveness among them. You have informed the investors that the cost cutting exercise can affect the output as well as reputation of the company in the long-run. However, they are adamant to pursue the same.

**(a)** Identify the stakeholders and ethical issues involved in the case.

**(b)** You and the HR team have identified some options and are deliberating to put them across to the investors for consideration. Discuss the merits and demerits of each of these:

**(i)** Identifying key high performers and offering them suitable positions before implementing the layoff decision.

**(ii)** Putting the terminated employees on retainer to work part-time.

**(iii)** Executing the lay off order in the same spirit as it was asked by the investors and letting them deal with the long-term consequences.

**(iv)** Improving the perception of fairness among the existing and terminated employees and moving ahead with the layoffs.

**(c)** Without restricting yourself to the above options, discuss the course of action you will take, and provide adequate reasons for the same.

**(20)**

आप एक एडटेक कंपनी के सह-संस्थापक और सी.ई.ओ. हैं। कंपनी की लाभप्रदता बढ़ाने और छंटनी (डाउनसाइजिंग) करने के लिए आपके ऊपर कंपनी के निवेशकों का जबरदस्त दबाव है। कुछ खराब अधिग्रहण करने के बाद, पिछले कुछ वर्षों में कंपनी की वित्तीय स्थिति में भारी गिरावट आई है। ऐसे में छंटनी का सुझाव कंपनी की लाभप्रदता में वृद्धि की उम्मीद के साथ दिया गया है, क्योंकि सामान्यतः बड़े पैमाने पर छंटनी के निर्णय से लाभप्रदता बढ़ती है। इसके अलावा, निवेशकों ने संकेत दिया है कि इस तरह के उपायों के परिणामस्वरूप वे कंपनी में और अधिक निवेश कर सकते हैं, जो बाजार में चल रही अस्थिर स्थितियों एवं अधिकाधिक फंडिंग में कमी को देखते हुए आशा की किरण के रूप में हैं। इस स्थिति को देखते हुए कर्मचारियों के बीच बेवजह नौकरी से हटाये जाने की अफवाहों का दौर शुरू हो गया है। इन सब बातों ने उनके बीच आशंका को बढ़ाया है और एकजुटता को भी कम किया है। आपने निवेशकों को सूचित किया है कि लागत में कटौती के प्रयास से कंपनी के उत्पादन के साथ-साथ दीर्घावधि में प्रतिष्ठा भी प्रभावित हो सकती है। हालांकि, वे इसी उपाय को अपनाने पर अड़े हुए हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

**(a)** इस प्रकरण में शामिल हितधारकों और नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।

**(b)** आपने और HR टीम ने निम्नलिखित कुछ विकल्पों की पहचान की है तथा उन्हें विचार के लिए निवेशकों के सामने रखने की सोच रहे हैं। इनमें से प्रत्येक के गुणों और दोषों की विवेचना कीजिए:

**(i)** छंटनी के फैसले को लागू करने से पहले उच्च प्रदर्शन करने वाले अग्रणी कर्मचारियों की पहचान करना और उन्हें उपयुक्त पदों की पेशकश करना।

**(ii)** हटाये जाने वाले कर्मचारियों को पार्ट-टाइम काम करने के लिए रिटेनर के तौर पर रखना।

**(iii)** छंटनी के आदेश को उसी भावना से निष्पादित करना जैसा कि निवेशकों द्वारा कहा गया था और उन्हें दीर्घकालिक परिणामों से निपटने की अनुमति देना।

**(iv)** मौजूदा और हटाये गए कर्मचारियों के बीच निष्पक्षता की धारणा में वृद्धि करना और छंटनी के उपाय के साथ आगे बढ़ना।

**(c)** स्वयं को उपर्युक्त विकल्पों तक सीमित किए बिना, आपके द्वारा की जाने वाली कार्रवाई पर चर्चा कीजिए और उसके लिए पर्याप्त कारण बताएं।

कोविड महामारी के बाद विश्व की अनेक कंपनियों में यह स्थिति आई है जहाँ छंटनी की गई है ताकि कंपनी की लागत कम हो सके।

(a) हितधारक

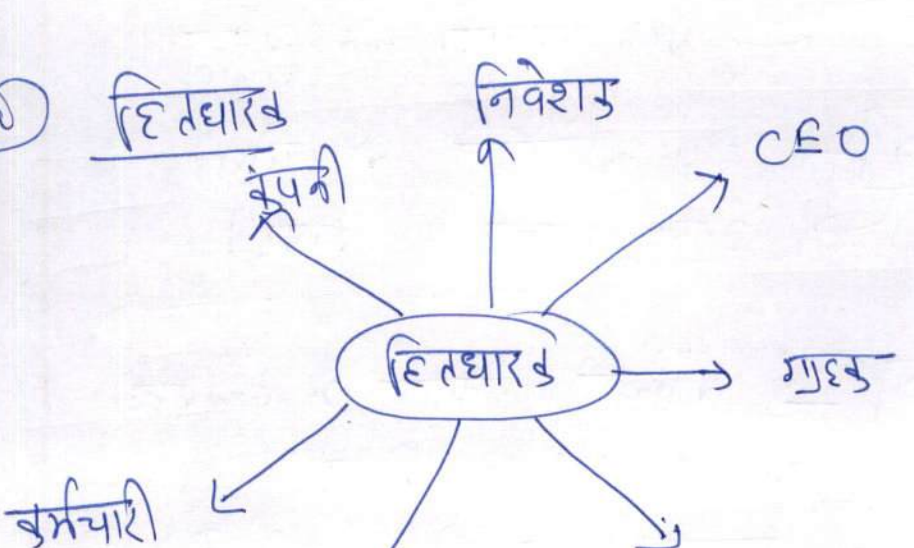

नैतिक मुद्दे

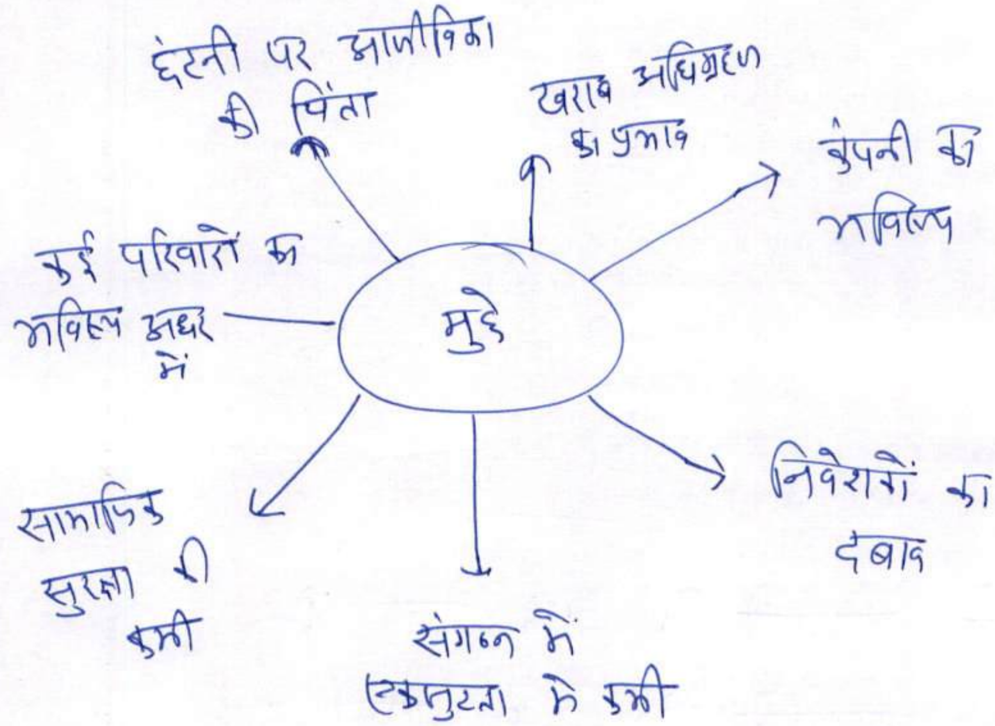


(b) (i) गुण — कंपनी की लागत कम होगी।
→ श्रेष्ठ कर्मचारी बने रहेंगे।

दोष — शेष कर्मचारियों का विरोध।
→ उनका भविष्य पर संकट।

(ii) गुण → कर्मचारी रोजगार में बने रहेंगे
→ विरोध कम होगा
→ कंपनी की अच्छी स्थिति होने पर पुनः भर्ती कर सकते हो

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

दोष – पार्ट टाईम वालों का विरोध रहेगा।
→ उनकी आय में कमी
→ पूरे मनोयोग से काम नहीं कर पाएंगे

(iii) दोष – कर्मचारियों के भारी विरोध का सामना करना पड़ सकता है
→ कंपनी की साख में गिरावट।

गुण → लागत कम होगी
→ लाभ बढ़ेगा
→ निवेशक खुश रहेंगे
→ नया निवेश भी आएगा।

(iv) गुण – कंपनी का लाभ बना रहेगा।
→ कर्मचारियों की नाराजगी कम होगी

दोष – छंटनी पर नाराज रहेंगे।
→ साख में गिरावट
→ विरोध बढ़ सकता है

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(c) इस संवेदनशील मामले में बेहतर यही होगा कि 'मध्यम-मार्ग' अपनाया जाए।

→ बेहतर प्रदर्शन वाले कर्मचारियों को यथावत रखा जाए।

⇒ निम्न प्रदर्शन वालों को कुछ समय दिया जाए ताकि वे वैकल्पिक रोजगार देख सकें।

⇒ इसके साथ ही इतनी आवश्यक हो तो एकमुश्त राशि दी जाए ताकि पारिवारिक समस्याएँ नहीं रहे।

⇒ इसके साथ ही पूर्ण पारदर्शिता के साथ उनकी योग्यता, प्रदर्शन का मूल्यांकन हो ताकि उनके कोई शंका नहीं रहे।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

इन सब से कंपनी भारी विरोध से बच सकती है अन्यथा एक बड़ी घटना भी हो सकती है।

जैसे- गुरुग्राम में मारुति कंपनी का आगजनी मामला (2008)

अतः CEO होने के नाते पूरी प्रक्रिया को 'भावनात्मक बुद्धिमत्ता' एवं तर्क तथा तथ्यों की सहायता से पारदर्शिता पूर्ण पूरा करना ताकि विरोध को न्यूनतम किया जा सके।

**9.** There is an ongoing ethnic civil war in a neighbouring country. The conflict has caused massive displacement of people from the country. Ironically, the developed countries have closed off their borders to the refugees on account of the COVID-19 pandemic, resource competition, domestic politics etc. With countries sealing off their borders, the refugees are left in a vulnerable situation and many are taking illegal routes to enter your country. As a Senior Official of your country's Ministry of External Affairs, you have been involved in discussions with officials of other nations and are entrusted with the mandate to design a national policy to safely accommodate India bound refugees. In this context, answer the following questions:

**(a)** Discuss the moral issues related to the rights of international refugees, especially those from conflict-torn regions.

**(b)** What recommendations would you suggest given the large influx of refugees in India. **(20)**

एक पड़ोसी देश में नृजातीय गृह-युद्ध जारी है। यह संघर्ष उक्त देश से लोगों के बड़े पैमाने पर विस्थापन का कारण बन गया है। विडंबना यह है कि विकसित देशों ने कोविड-19 महामारी, संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धा, घरेलू राजनीति आदि के कारण शरणार्थियों हेतु अपनी सीमाओं को बंद कर दिया है। देशों द्वारा अपनी सीमाओं को बंद करने के कारण शरणार्थियों की स्थिति असुरक्षित हो गई है और वे आपके देश में प्रवेश करने के लिए कई अवैध मार्ग अपना रहे हैं। अपने देश के विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के रूप में, आप दूसरे देशों के अधिकारियों के साथ चर्चा में शामिल रहे हैं और आपको भारत में रहने वाले शरणार्थियों को सुरक्षित रूप से समायोजित करने के लिए एक राष्ट्रीय नीति तैयार करने का कार्य सौंपा गया है। इस संदर्भ में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

**(a)** अंतर्राष्ट्रीय शरणार्थियों, विशेष रूप से संघर्षग्रस्त क्षेत्रों से आने वाले शरणार्थियों, के अधिकारों से संबंधित नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

**(b)** भारत में शरणार्थियों की बड़ी संख्या के आगमन को देखते हुए आप क्या सुझाव देंगे।

विश्व में शरणार्थियों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। गृहयुद्ध, पर्यावरणीय प्रभाव, भुखमरी, बेरोजगारी, उत्पीड़न आदि अनेक कारण हैं जो शरणार्थियों को लगातार बढ़ा रहे हैं

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(a) शरणार्थियों के अधिकारों से संबंधित नैतिक मुद्दे-

(1) आजीविका - उनके समक्ष आजीविका का संकट है। अतः शरण दी जानी चाहिए या नहीं।

(2) परोपकार - पीड़ित की सहायता करना नैतिक धर्म है

(3) सहानुभूति - संघर्षग्रस्त शरणार्थियों के प्रति सहानुभूति होना

(4) विकसित देशों द्वारा अनदेखी - समृद्ध होकर भी विकसित देश पर-पीड़ा में सहयोगी नहीं

(5) मानवाधिकारों का उल्लंघन शरणार्थियों के मानवाधिकारों का उल्लंघन हो रहा है

(6) भारतीय संस्कृति - 'अतिथि देवो भव:' वाली संस्कृति के समक्ष समायोजन

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

का संकट।

(7) अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की विफलता
UNO सहायता करने में असफल।

(8) महिलाएं व बच्चे -
सुभेद्य वर्गों की सहायता न कर पाना।

(9) करुणा - दयनीय स्थिति को देखकर करुणा का भाव आना।

[b] - भारत के लिए सुझाव

- चूंकि भारत 'संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी कन्वेंशन - 1951' तथा संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी प्रोटोकॉल - 1967 का हस्ताक्षर कर्ता नहीं है।
इस कारण कानूनी रूप से भारत पर बाध्यता नहीं है कि वह शरणार्थियों को संरक्षण दे।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

परन्तु 'वसुधैव कुटुम्बकम्' तथा 'अतिथि देवो भव:' वाली संस्कृति वाले भारत को इस मुद्दे पर संवेदनशीलता से विचार करना चाहिए।

→ भारत अपनी 'वहनीय क्षमता' के अनुसार पड़ोसी राष्ट्रों से आने वालों को प्राथमिकता दे।

→ 'राष्ट्रीय सुरक्षा' को ध्यान मे रखते हुए सभी शरणार्थियों की जानकारी रखे।

→ इसके साथ ही 'UNO' के माध्यम से विकसित राष्ट्रों पर दबाव डालने की कोशिश करे ताकि वे भी अपनी सीमाएं खोले।

→ आवश्यक हो तो UNSC के माध्यम से गृह-युद्ध वाले देशों मे

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

हस्तक्षेप हो ताकि शरणार्थी कम हो सके।

अतः भारत को एक सीमित मात्रा में क्षमतानुसार शरणार्थियों को शरण देनी चाहिए तथा अन्य देशों को भी प्रेरित करना चाहिए ताकि मानवता की रक्षा की जा सके।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

**10.** Social interactions where a person is addressed by their correct name and pronouns, consistent with their gender identity, are widely recognized as a basic and yet critical aspect of gender affirmation. A national university invited speakers for a discussion on rights of sexual minorities in India. The panel included speakers representing a wide variety of opinions and perspectives on the issue. The debates, though largely peaceful, witnessed a controversy. A college association representing sexual minorities took offence against a panellist who cautioned against self-identification by sexual minorities and the liberal use of pronouns. The association reached out to the media and the localised controversy soon turned into a national issue across news networks and social media. The association demanded that the panellist apologise for his views and issue a public statement in this context. The panellist, on the other hand, seemed unmoved by the issue. In the meantime, the University has come under huge pressure to resolve the issue. The Vice Chancellor set up a Committee to look into the matter and its peaceful resolution. You have been appointed as the Chairperson of the Committee. In this regard, answer the following questions:

**(a)** Discuss the various moral issues involved in the case.

**(b)** Keeping the right to freedom of speech and expression in mind, highlight the steps you would take to resolve the issue and list arguments in support. **(20)**

सामाजिक संपर्क, जहां व्यक्ति को उनके सही नाम एवं सर्वनाम द्वारा और उनकी लैंगिक पहचान के अनुरूप संबोधित किया जाता है, को व्यापक रूप से लैंगिक पुष्टि के एक बुनियादी और महत्वपूर्ण पहलू के रूप में पहचाना जाता है। राष्ट्रीय स्तर के एक विश्वविद्यालय ने भारत में लैंगिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर चर्चा के लिए वक्ताओं को आमंत्रित किया है। उस पैनल में इस मुद्दे पर विभिन्न प्रकार की राय और दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करने वाले वक्ता शामिल थे। हालांकि, वहां की गई चर्चा काफी हद तक शांतिपूर्ण थी, लेकिन इसमें एक विवाद भी उत्पन्न हुआ। लैंगिक अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक कॉलेज एसोसिएशन ने लैंगिक अल्पसंख्यकों द्वारा आत्म-पहचान और सर्वनामों के उदार उपयोग के खिलाफ चेतावनी देने वाले एक पैनलिस्ट के खिलाफ उग्र विरोध प्रदर्शित किया। उस एसोसिएशन ने मीडिया के माध्यम से अपना मत व्यक्त किया और स्थानीय विवाद जल्द ही समाचार नेटवर्क और सोशल मीडिया पर एक राष्ट्रीय मुद्दे में बदल गया। उस एसोसिएशन ने मांग की कि वह पैनलिस्ट अपने विचारों के लिए माफी मांगे और इस संदर्भ में एक सार्वजनिक बयान जारी करे। दूसरी ओर, वह पैनलिस्ट इस मुद्दे से अप्रभावित था। साथ ही, विश्वविद्यालय पर मामले को सुलझाने का भारी दबाव है। कुलपति द्वारा मामले की जांच करने और इसके शांतिपूर्ण समाधान के लिए एक समिति का गठन किया गया है। आपको समिति के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है। इस संबंध में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

**(a)** इस प्रकरण में शामिल विभिन्न नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

**(b)** वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार को ध्यान में रखते हुए, इस मुद्दे को हल करने के लिए आप जो कदम उठाएंगे उसे रेखांकित कीजिए और समर्थन में तर्क दीजिए।

यह मामला लैंगिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों, वाद-विवाद, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता आदि से जुड़ा है। चूंकि भारत ही नहीं विश्व में यह समुदाय उपेक्षित है, अतः इस मुद्दे का समाधान पूरी संवेदनशीलता के साथ किया जाना चाहिए।

(a) प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे

(1) लैंगिक अल्पसंख्यकों की भावनाओं का आहत होना।
(2) अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार (वक्ता)
(3) मामले का राष्ट्रीय मुद्दा बनना
(4) माफी मांगे जाने का दबाव
(5) वक्ता का असंवेदनशील होना।
(6) विश्वविद्यालय पर दबाव का बढ़ना
(7) आपसी वैमनस्यता बढ़ना
(8) उग्र विरोध प्रदर्शन होना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

ये सभी नैतिक मुद्दे मुख्यतः एक तरफ वक्ता की 'वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता (अनुच्छेद - 19)' से जुड़े हैं तथा दूसरी तरफ अल्पसंख्यकों की भावनाओं के आहत होने का मामला है।

(b) समिति अध्यक्ष के रूप में कदम

(1) गतिरोध दूर करना

- अल्पसंख्यक प्रतिनिधियों से बातचीत की जाएगी तथा वस्तुस्थिति से अवगत कराया जाएगा। यदि कोई आपत्तिजनक बयान नहीं है तथा 'ट्रांसजेंडर एक्ट - 2019' का उल्लंघन नहीं है तो वक्ता पर दबाव डालना उचित नहीं है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

दूसरी तरफ, वक्ता से बातचीत की जाएगी कि यदि उनके माफी मांगने से जो भ्रांतियां है, वो दूर हो जाती है तथा वंचित समुदाय की भावनाए आहत होने से बच जाती है तो उन्हे बड़प्पन दिखाते हुए माफी मांग लेनी चाहिए

(2) संवेदनशीलता से मामला सुलझाना

- समिति के सभी सदस्य संवेदनशील होकर इस मामले में सभी पक्षों, मीडिया से बात करेंगे।

चूंकि 'वाल्तेयर' के अनुसार 'भले ही लोगों वालों के विचारो से सहमति नही हो परन्तु अभिव्यक्ति के अधिकार की रक्षा होनी चाहिए' अतः वक्ता को गरिमापूर्ण रूप से अपनी बात रखने का अधिकार है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

वहीं अल्पसंख्यकों को भी किसी चीज से सहमति न होने पर विरोध का अधिकार है।

⇒ भविष्य में भी ऐसे मामलों हेतु वक्ताओं से आग्रह होगा कि वे अधिक संवेदनशीलता रखे ताकि भावनाएं आहत न हो साथ ही वंचित समुदाय से भी जागरूकता कि यदि कोई आलोचना तर्कसंगत है तो सहिष्णुता के साथ ग्रहण करनी चाहिए ताकि सुधार करके बेहतर किया जा सके।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

**11.** You are a young athlete representing India at an international-level competition. To your surprise, during the competition, you witness a few senior athletes injecting something using a syringe in private. When you approach them, they explain that it is a performance enhancing drug, which is very common in such competitions and you should take the same as well. You are aware that if these players get caught in a doping test, it may damage India's reputation. You are confused and afraid of the repercussions and decide to approach the coach to discuss the event you witnessed. However, you get to know that the athletes are taking the drug on the advice of the coach himself.

**(a)** What would you do in this scenario? Discuss the options available to you and chart your course of action.

**(b)** What are the reasons behind the use of performance enhancing drugs in competitive sporting events? How can this practice be minimized?

**(20)**

आप अंतर्राष्ट्रीय स्तर की एक प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले एक युवा एथलीट हैं। आश्चर्यजनक रूप से, आप प्रतियोगिता के दौरान कुछ वरिष्ठ एथलीटों को गुप्त रूप से सिरिंज का उपयोग करके कुछ इंजेक्शन को लगाते हुए देखते हैं। जब आप उनसे संपर्क करते हैं, तो वे समझाते हैं कि यह प्रदर्शन बढ़ाने वाली एक दवा है, जो ऐसी प्रतियोगिताओं में बहुत आम है और आपको भी इसे लेना चाहिए। आप जानते हैं कि यदि ये खिलाड़ी डोपिंग टेस्ट में फंस जाते हैं तो इससे भारत की साख खराब हो सकती है। आप दुविधा में हैं और इसके परिणामों से डरते हैं। साथ ही, आप इस घटना पर चर्चा करने के लिए कोच से संपर्क करने का फैसला करते हैं। हालांकि, आपको पता चलता है कि एथलीट कोच की सलाह पर इस दवा को ले रहे हैं।

**(a)** इस परिदृश्य में आप क्या करेंगे? आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों पर चर्चा कीजिए और अपनी कार्रवाई की रूपरेखा तैयार कीजिए।

**(b)** प्रतिस्पर्धी खेल प्रतियोगिता के आयोजनों में प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाओं के उपयोग के पीछे क्या कारण हैं? इस प्रथा को कैसे कम किया जा सकता है?

अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं में गलत लाभ (Undue Advantage) लेने के लिए इस तरह के कई मामले सामने आए है जहाँ प्रदर्शन बढ़ाने हेतु इनका प्रयोग होता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(a) इस परिदृश्य में कार्रवाई

- मैं सर्वप्रथम उन एथलीटों को इनका उपयोग न करने हेतु मना करूंगा।
- स्वयं कोच से बात करूंगा कि वे इसे रोके।
- आवश्यकता पड़ने पर भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) को सूचित करूंगा।

उपलब्ध विकल्प

(1) इस मामले में चुप्पी बनाए रखना

गुण
- सभी खिलाड़ी खुश
- कोई विरोध नहीं
- प्रदर्शन बेहतर

दोष
- पकड़े जाने पर देश की लाज का नुकसान
- अवसर की समानता का उल्लंघन।

(ii) इस मामले को उच्च मंच तक पहुँचाना

**गुण**
- डोपिंग से बचाना
- भारत की साख बचाए रखना
- खेल-भावना बनी रहेगी

**दोष**
- खिलाड़ियों का विरोध
- कोच से विरोध
- भारत की साख पर खतरा

## कार्रवाई की रूपरेखा

- खिलाड़ियों को मना करना कि वे इसे नहीं लें।
- कोच से संपर्क करना तथा उन्हें बताना कि वे इसे प्रोत्साहन न करें
- समझाना कि पकड़े जाने पर पूरे देश की साख खराब हो सकती है

उन्हें 'रूस' के उदाहरण से समझाना कि गत ओलम्पिक में रूस पर 'स्टेट-स्पोंसर ड्रग्स' के आरोप लगने पर 'ओलंपिक समिति'

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

ने रूसी खिलाड़ियों को 'रूसी झण्डे' के साथ खेलने से प्रतिबन्धित किया था। इससे उसकी साख पूरे विश्व में खराब हुई थी।

अतः 'भारत' की साख महत्वपूर्ण है और ऐसी चीजें गैर-कानूनी, अनैतिक है।

(b) इन दवाओं के बढ़ते प्रयोग के पीछे कारण :

→ उपलब्धता बढ़ गई है।
→ जीतने की मनोवृत्ति प्रभावी है
→ 'साध्य' महत्वपूर्ण हो गया है, 'साधन' नहीं।
→ क्रियान्वयन कमजोर है, इस कारण कई बार पकड़ में नहीं आते है
⇒ भ्रष्टाचार के कारण इन्हे प्रोत्साहन मिलता है
⇒ 'खेल-भावना' कमजोर हुई है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

⇒ नैतिक मूल्यों का पतन हुआ है
⇒ खेलों का व्यावसायीकरण हो गया है

**प्रथा को कम करना**

⇒ WADA (World Anti-Dopping Agency) तथा भारत मे NADA को प्रभावी कार्रवाई करनी चाहिए।
⇒ 'स्टेट- स्पॉन्सर्ड' मामले मे पूर्णतः प्रतिबन्ध लगे।
⇒ 'खेल-भावना' का प्रचार हो।
⇒ आधुनिक तकनीक से 'डिटेक्ट' किया जाए।
⇒ 'थर्ड-पार्टी परीक्षण' जरूरी है ताकि भ्रष्टाचार न हो।

निष्कर्ष. सरकारी प्रयास, वैश्विक सहयोग से ऐसी प्रथाओं पर अंकुश लगाकर 'मेहनत व कला' से जीत को प्रोत्साहन दिया जाए

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

**12.** You have been newly appointed as the District Magistrate of a district, which is known for its rich mineral deposits. Following the news being circulated in the media about the illegal mining in your district, you have initiated an enquiry into it. When the State's Minister of Mines and Minerals gets to know of the enquiry initiated by you, he directs you to name some junior government employees as being involved in the wrongdoing and make them scapegoats. He also points out that elections to the State Assembly are around the corner and the present government wishes to stay clear of any political corruption. This Minister is a very influential figure in the present regime and there are high chances of the present ruling party being voted back to power. In due course of the enquiry, it has come to your notice that the said Minister has also been involved in illegal mining through his cronies.

The findings of the enquiry can affect the outcome of the elections as well as completely derail your career, if the incumbent party wins the elections, which looks very likely as per the polls.

Answer the following with reference to this case:

**(a)** Identify the stakeholders and the ethical issues in the given case.

**(b)** Critically evaluate the options in the given scenario and state your course of action, giving reasons. **(20)**

आपको एक ऐसे जिले के जिला मजिस्ट्रेट के रूप में नियुक्त किया गया है, जो अपने समृद्ध खनिज भंडार के लिए जाना जाता है। आपके जिले में अवैध खनन के बारे में मीडिया में खबर प्रसारित होने के बाद, आपने इसकी जांच शुरू कर दी है। जब राज्य के खान और खनिज मंत्री को आपके द्वारा शुरू की गई जांच के बारे में पता चलता है, तो वो आपको कुछ कनिष्ठ सरकारी कर्मचारियों पर गलत काम में शामिल होने का आरोप लगाने और उन्हें बलि का बकरा बनाने का निर्देश देते हैं। वह यह भी बताते हैं कि राज्य विधान सभा के चुनाव नजदीक हैं और वर्तमान सरकार किसी भी राजनीतिक भ्रष्टाचार से दूर रहना चाहती है। वह मंत्री वर्तमान सरकार में एक अत्यधिक प्रभावशाली व्यक्ति है और साथ ही, वर्तमान सत्ताधारी दल के सत्ता में वापस आने की बहुत अधिक संभावना है। जांच के क्रम में आपके संज्ञान में आया है कि उक्त मंत्री अपने साथियों के माध्यम से अवैध खनन में शामिल रहा है। यदि सत्ताधारी दल चुनाव जीत जाता है, जिसकी अनुमानों के अनुसार संभावना अधिक है, तो आपकी जांच के निष्कर्ष चुनाव परिणामों को प्रभावित करने के साथ-साथ आपके करियर को भी प्रतिकूल रूप से प्रभावित करेंगे।

इस प्रकरण के संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए:

**(a)** प्रदत्त प्रकरण में शामिल हितधारकों और नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।

**(b)** दिए गए परिदृश्य में उपलब्ध विकल्पों का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए और कारण बताते हुए अपनी कार्रवाई का विवरण दीजिए।

अवैध खनन एक बड़ी समस्या बनती जा रही है जो पर्यावरणीय दोहन के साथ ही भ्रष्टाचार व अपराध को भी बढ़ावा दे रही है। इससे सख्त एवं प्रभावी रूप से निपटना आवश्यक है।

(a)

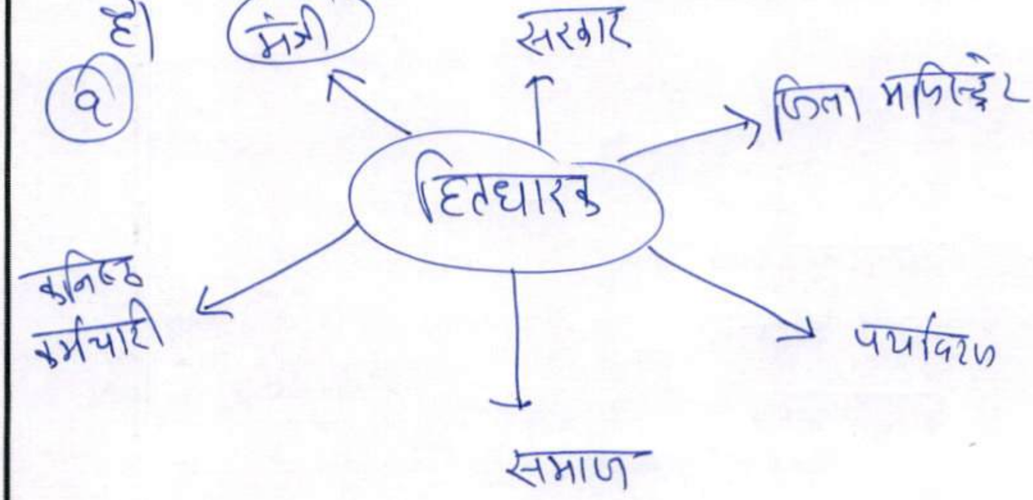


(b) हितधारक उपरोक्तानुसार है

**नैतिक मुद्दे**

→ पर्यावरण का अनावश्यक दोहन

→ सर्वोच्च न्यायालय का अवैध खनन पर रोक के आदेश का उल्लंघन

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ मंत्री द्वारा पद का दुरुपयोग

→ भ्रष्टाचार हेतु सांठगांठ।

→ गलत कार्य करवाने हेतु दबाव।

→ राजनीतिक चुनावों को प्राथमिकता

→ मीडिया द्वारा मामला उठाया जाना

→ नीति निर्देशक तत्वों का उल्लंघन (अनु. 48)

→ मूल कर्तव्यों की अवहेलना (पर्यावरण का संरक्षण)

→ पर्यावरण संरक्षण एक्ट-1986 का उल्लंघन।

→ पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता का अभाव

→ जॉन रॉल्स के 'सामाजिक न्याय' तथा बेंथम के 'उपयोगितावाद' का उल्लंघन।

(5) उपलब्ध विकल्प तथा मूल्यांकन

(1) मंत्री के निर्देशानुसार कार्य करना

गुण
- मंत्री खुश रहेगा
- सत्ता वापस आने पर पोस्टिंग की लाभ
- मंत्री के प्रति वफादारी बढ़ेगी

दोष
- कर्तव्यपालन नहीं
- भ्रष्टाचार को बढ़ावा
- सत्यनिष्ठा से काम नहीं
- कर्मचारियों को अनावश्यक सजा
- निजी हितों को प्राथमिकता

(2) मंत्री की बात न मानना, कानून कार्रवाई करना

गुण
- कर्तव्यपालन करना
- पर्यावरण संरक्षण होगा
- भ्रष्टाचार रुकेगा
- अपराधियों में सख्त संदेश जाएगा
- जनता में प्रशासन की अच्छी छवि बनेगी।

दोष
- मंत्री से नाराजगी
- स्थानांतरण हो सकता है
- कई दुश्मन पैदा हो जाएंगे

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

स्वयं की कार्रवाई

- सर्वप्रथम मंत्री जी को विनम्रतापूर्वक मना करूंगा कि गलत काम न तो कर सकता और न ही होने दूंगा।
- उन्हें समझाने का प्रयास करूंगा कि मामला मीडिया में है अतः अवैध खनन से राजनीतिक नुकसान भी हो सकता है।
- तत्पश्चात् खनन पर रोक लगाई जाएगी।
- किसी भी कर्मचारी को अनावश्यक परेशान नहीं किया जाएगा।

यदि इसका उल्लंघन होता है तो खननकर्ताओं पर पुलिस के सहयोग से कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मीडिया को भी आश्वस्त किया जाएगा कि सरकार इस मुद्दे के प्रति गंभीर है